



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 22 अगस्त, 2006 / 31 श्रावण, 1928

हिमाचल प्रदेश सरकार

वित्त (पेंशन) विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 17 अगस्त, 2006

संख्या: फिन(पेन)ए(3)-1/96.—हिमाचल प्रदेश सरकार ने अधिसूचना संख्या: फिन (पेन)ए(3)-1/96 तारीख 15-05-2003 द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य को लागू केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 को खपांतरित किया है और उक्त नियम 15-05-2003, तारीख जिसकी अधिसूचना राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित की गई थी, को या इसके पश्चात् हिमाचल प्रदेश राज्य में की गई समस्त नियुक्तियों के लिए अप्रयोज्य किए गए थे ;

केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 को 15-5-2003 को या उसके पश्चात् की गई नियुक्तियों पर अप्रयोज्य करने के लिए, सरकार का आशय, ऐसे सरकारी कर्मचारियों के लिए अंशदायी पेंशन स्कीम को अधिसूचित करना था ;

अब हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा 15-5-2003 को या इसके पश्चात् नवनियुक्तों के लिए राज्य सरकार ने अंशदायी पेंशन स्कीम आरम्भ करने का विनिश्चय किया है ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 15-5-2003 को या इसके पश्चात् नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के लिए हिमाचल प्रदेश सिविल सेवा अंशदायी पेंशन नियम, 2006 बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश सिविल सेवा अंशदायी पेंशन नियम, 2006 हैं ।

(2) ये नियम 15 मई, 2003 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे ।

2. लागू होना.—ये नियम 15-5-2003 को या इसके पश्चात् नियुक्त हिमाचल प्रदेश सरकार के समस्त कर्मचारियों को लागू होंगे ।

3. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:-

(क) “लेखा अधिकारी” से, ऐसा अधिकारी, जिसका शासकीय पदनाम चाहे जो भी हो, अभिप्रेत है, जो विभाग या हिमाचल प्रदेश सरकार के कार्यालय के लेखे बनाये रखता है और इसके अन्तर्गत महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश भी है जिसे राज्य सरकार के लेखों या लेखों के भाग को बनाये रखने के कृत्य न्यस्त किए गए हों ;

(ख) “आहरण और संवितरण अधिकारी” से सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस रूप में घोषित अधिकारी अभिप्रेत है ;

(ग) “महँगाई भत्ता (डी०ए०)” से मूल्य वृद्धि के विरुद्ध सरकारी कर्मचारियों को ऐसी दरों पर और ऐसी शर्तों के अध्याधीन, जैसी राज्य सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें, प्रदान किया गया भत्ता अभिप्रेत है ;

(घ) “कर्मचारी” से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है, जो हिमाचल प्रदेश सरकार में नियमित आधार पर नियोजित है और इस अंशदायी पेंशन स्कीम के अन्तर्गत आता है परन्तु इसके अन्तर्गत अंशकालिक आधार, दैनिक मजदूरी आधार, मात्रानुपाति (पीस-मील) दर आधार पर, नैमित्तिक (कैजुअल) और संविदा आधार पर नियोजित व्यक्ति सम्मिलित नहीं होंगे;

- (ड.) “निधि” से अंशदायी पेंशन निधि अभिप्रेत है ;
- (च) “प्ररूप” से इन नियमों से सलंग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;
- (छ) “सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है ;
- (ज) “विभागाध्यक्ष” से ऐसा कोई प्राधिकारी, जिसे इस रूप में शक्तियाँ प्रत्यायोजित की गई हैं या ऐसा कोई व्यक्ति, जिसे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, आदेश द्वारा, विभागाध्यक्ष विनिर्दिष्ट करें, अभिप्रेत है ;
- (झ) “कार्यालयाध्यक्ष (हैड आफ आफिस)” से इस रूप में घोषित राजपत्रित अधिकारी या व्यक्ति जिसे सक्षम प्राधिकारी, आदेश द्वारा, कार्यालयाध्यक्ष (हैड आफ आफिस) विनिर्दिष्ट करें, अभिप्रेत है ;
- (ञ) “मास” से कलेंडर मास अभिप्रेत है ;
- (ट) “एन०पी०ए०” से चिकित्सा अधिकारियों को संदेय प्रैक्टिसंबदी भत्ता अभिप्रेत है ;
- (ठ) “वेतन” से किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा निम्नलिखित रूप में ली गई मासिक रकम अभिप्रेत है:-
 - (i) विशेष वेतन या उसकी वैयक्तिक अर्हता को ध्यान में रखते हुये स्वीकृत वेतन से अन्यथा वेतन, जो कि उसके द्वारा अधिष्ठायी या स्थानापन्न हैसियत से धारित पद हेतु मंजूर (स्वीकृत) किया गया है या जिसके लिए वह कौंडर में अपने पद (पोजिशन) के कारण हकदार है ; और
 - (ii) कोई अन्य उपलब्धियाँ अभिप्रेत हैं जिन्हें सरकार द्वारा वेतन के रूप में विशेषतः वर्गीकृत किया जाए ;
- (ड) “पी० एफ० आर० डी० ए०” से संसद के अधिनियम के अधीन गठित पेंशन निधि विनियमन और विकास प्राधिकरण अभिप्रेत है ;
- (ढ) “सेवा पुस्तिका” के अन्तर्गत सेवापंजी, यदि कोई है, सम्मिलित है ;
- (ण) “खजाना” के अन्तर्गत उप-खजाना भी है ;
- (त) “वर्ष” से वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है ;

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु मूल नियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उन नियमों में हैं ।

4. निबन्धन और शर्तें.—(1) इन नियमों के अधीन समस्त नये कर्मचारियों को, जो 15-5-2003 को या उसके पश्चात भर्ती हुए हैं, स्कीम का सदस्य बनना आज़ापक होगा। इन नियमों के अधीन, प्रत्येक कर्मचारी को अंशदायी पेंशन स्कीम में मासिक अभिदाय जो कि 1-4-2004 से पूर्व मूल वेतन, महंगाई भत्ता और प्रैक्टिसबन्दी भत्ता का और 1-4-2004 से मूल वेतन, महंगाई वेतन, महंगाई भत्ता और प्रैक्टिसबन्दी भत्ता का दस प्रतिशत होगा, संदत्त करना अपेक्षित होगा ।

(2) प्रत्येक कर्मचारी, जो स्कीम के लिए अभिदाय करता है, के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मास कर्मचारी के अभिदाय के बराबर का समरूप अभिदाय किया जाएगा ।

(3) अंशदायी पेंशन स्कीम हेतु अभिदाय प्रत्येक मास कर्मचारियों के वेतन से वसूल किया जाएगा, जिस प्रकार की सामान्य भविष्य निधि हेतु किया जाता है।

(4) इस स्कीम के अन्तर्गत आने वाले कर्मचारियों से सामान्य भविष्य निधि अभिदाय हेतु कोई कटौती नहीं की जाएगी क्योंकि सामान्य भविष्य निधि नियम उन पर लागू नहीं होंगे । ऐसे कर्मचारियों को, इसके क्षेत्र से अपवर्जित करने के लिए, सामान्य भविष्य निधि नियमों को पृथक् संशोधित किया जाएगा ।

(5) महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश शिमला, हिमाचल प्रदेश सरकार के कर्मचारियों की वाबत केन्द्रीय अभिलेख रखने वाले अधिकरण के रूप में कृत्य करेंगे और अंशदायी पेंशन स्कीम हेतु लेखों को बनाए रखेंगे जैसा कि सामान्य भविष्य निधि के मामले में किया जाता है।

(6) इस अधिसूचना से उपाबद्ध (उपाबन्ध-1) विहित प्ररूप में विभागाध्यक्षों/कार्यालयाध्यक्ष (हैड आफ आफिस) से प्राप्त आवेदन पर कर्मचारियों, जो अंशदायी पेंशन स्कीम में शामिल होते हैं, को सूचकांक, महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश शिमला द्वारा आबंटित किया जाएगा ।

(7) महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश 16 अकों की एक अनन्य (यूनीक) स्थायी पेंशन लेखा संख्या (पी0पी0ए0एन0) आबंटित करेगा । इस संख्या के प्रथम चार अंक सरकारी सेवा में पद ग्रहण करने के कलेंडर वर्ष को उपदर्शित करेंगे, अगले 2 अंक विभाग को उपदर्शित करेंगे, अगले 5 अंक खजाना कोड को दर्शित करेंगे और अन्तिम 5 अंक व्यक्ति सरकारी कर्मचारी की चालू क्रम संख्या होगी।

(8) महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश सरकारी सेवा में नये प्रवेशकों को स्थायी पेंशन लेखा संख्या के आबंटन के प्रयोजन हेतु, अनुक्रमणिका रजिस्टर बनाए रखेगा। अनुक्रमणिका रजिस्टर का रूपविधान (फारमेट) उपाबन्ध-II के अनुसार होगा ।

(9) महालेखाकार, विवरण (रिटर्न) की एक प्रति, उसमें प्रत्येक व्यष्टि (व्यक्ति) को आबंटित लेखा संख्या को सम्यक रूप में उपदर्शित करते हुए, आहरण और संवितरण अधिकारी को वापिस करेगा और आहरण और संवितरण अधिकारी कम में सम्बन्धित व्यष्टि (व्यष्टि) को लेखा संख्या सूचित करेगा और उसका वेतन बिल रजिस्टर में भी उल्लेख करेगा ।

(10) अंशदायी पेंशन स्कीम में शामिल होने के लिए महालेखाकार द्वारा आबंटित सूचकांक को कार्यालयाध्यक्ष (हैड आफ आफिस)/आहरण और संवितरण अधिकारी द्वारा आवश्यक अनुप्रमाणन सहित सेवा पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर दर्ज किया जाएगा ।

(11) अंशदायी पेंशन निधि लेखों के रख-रखाव से सम्बन्धित किसी विधिक वाद में यदि महालेखाकार को पक्षकार बनाया जाता है तो राज्य सरकार महालेखाकार का प्रतिवाद करेगी परन्तु यह कि विधिक वाद (मुकदमा) महालेखाकार के कार्यालय की गल्ती (त्रुटि) के कारण उद्भूत न हुआ हो ।

(12) नामांकन, कर्मचारियों द्वारा प्रवेश के समय भरा जाना अपेक्षित है और अभिदाता के विवाह उपरान्त और तत्पश्चात् पाँच वर्षों में एक बार पुनरिक्षित किया जा सकेगा । नामनिर्देशिनी (नामनिर्देशितियों) के नाम सहित नामांकन भरने तक की आवश्यक प्रविष्टि सम्बन्धित कर्मचारी की सेवा पुस्तिका में उल्लिखित (नोट) की जाएगी ।

(13) आहरण और संवितरण अधिकारी 15-05-2003 को या इसके पश्चात् सरकारी सेवा ग्रहण करने वाले सरकारी कर्मचारी की बावत पृथक वेतन बिल रजिस्टर तैयार करेगा और उसको अनुसूचियों सहित खजाने को भेजेगा । चैक द्वाा करने वाले आहरण और संवितरण अधिकारी, 15-05-2003 को या उसके पश्चात् सेवा ग्रहण करने वाले सरकारी कर्मचारियों की बाबत पृथक वेतन बिलों को तैयार करेंगे और वे संदाय नहीं करेंगे । ऐसे बिलों को उनके द्वारा पूर्व जाँच (प्री चैक) और संदाय हेतु खजाना कार्यालय को भेजा जाएगा ।

(14) प्रत्येक कर्मचारी के लिए कर्मचारियों के वेतन बिलों से वसूली महालेखाकार से सूचकांक प्राप्त करने के पश्चात् ही की जाएगी ।

(15) वसूली की अनुसूची, पेंशन स्कीम के अभिदाय को दर्शाते हुए वेतन बिल के साथ संलग्न की जाएगी, जैसे कि उपाबन्ध-III में विहित है । प्रत्येक आहरण और संवितरण अधिकारी अनुसूची तैयार करेगा और उसे वेतन बिलों के साथ संलग्न करेगा ।

(16) कटौती के पारेषण में विलम्ब, जो महालेखाकार को अनुसूची बिलम्ब से प्रस्तुत करने, अनुसूची में वर्णित गलत/अपठनीय लेखा संख्या जिसके कारण मदें रजिस्टर में नहीं चढ़ाई गई हैं, के कारण हुआ है और कोई मद जो खोई हुई के रूप में दावाकृत है की जाँच तब की जाएगी जब कोई ऐसा अन्तर (फर्क) महालेखाकार द्वारा सम्बन्धित पक्ष को सूचित किया जाता है । यदि बिलम्ब किसी कर्मचारी/अधिकारी

की ओर से साशय (जानबूझ कर) पाया जाता है, तो विलम्ब के लिए जिम्मेदारी और ब्याज दायित्व नियत किया जाएगा। तथापि, यदि विलम्ब साशय (जानबूझ कर) नहीं पाया जाता है तो ब्याज दायित्व का वहन राज्य सरकार करेगी। इसके अतिरिक्त विलम्ब अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण हुए हों तो, कटौती की तारीख से, जब तक रकम पेंशन निधि में जमा नहीं कर दी जाती, ब्याज दायित्व का वहन राज्य सरकार करेगी।

(17) कर्मचारी का अभिदाय और सरकार द्वारा अभिदाय व्यष्टि (व्यक्ति) के खाता लेखा और ब्राड शीट के विभिन्न स्तम्भों में डाला जाएगा और लेखा अकों के साथ मिलान किया जाएगा जैसा कि सामान्य भविष्य निधि के मामले में किया जा रहा है।

(18) सरकारी कर्मचारियों की बाबत वेतन बिल से वसूली गई रकम, निम्नलिखित नये निक्षेप लेखा शीर्ष में जमा की जाएगी:—

8342 -	अन्य जमा
00 -	-
117 -	सरकारी कर्मचारियों हेतु निर्धारित अंशदायी पेंशन स्कीम।
01 -	कर्मचारियों का अभिदाय (टीयर-I के अधीन)

(19) कर्मचारी के अभिदाय के बराबर का सरकारी अभिदाय निम्नलिखित नये निक्षेप शीर्ष लेखा में जमा किया जाएगा:—

8342 -	अन्य जमा
00 -	-
117 -	सरकारी कर्मचारियों हेतु निर्धारित अंशदायी पेंशन स्कीम।
02 -	सरकार का अभिदाय (टीयर-I के अधीन)

(20) कर्मचारी और सरकार द्वारा अभिदाय पर ब्याज निम्नलिखित नये निक्षेप शीर्ष लेखा में जमा किया जाएगा:—

8342 -	अन्य जमा
00 -	-
117 -	सरकारी कर्मचारियों हेतु निर्धारित पेंशन स्कीम
03 -	अभिदाय पर ब्याज [टीयर (I) के अधीन]

(21) किसी भी मास में किसी विशिष्ट कर्मचारी से गैर वसूली के कारण सम्बन्धित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा वसूली अनुसूची में अवश्यमेव दिए जाएंगे। जब कभी कोई व्यक्ति लम्बी छुट्टी पर है, तो छुट्टी मंजूर होने के पश्चात् वेतन जमा में हगाई वेतन, मँहँगाई भत्ता और पैक्टिसबन्दी भत्ते का दस प्रतिशत अभिदाय, मासवार वेतन के आधार पर वेतन बिल से काटा जायेगा। जिस अवधि के लिए व्यक्ति लम्बी छुट्टी पर रहा है उस अवधि हेतु, व्यक्ति के साथ-साथ सरकार द्वारा भी कोई ब्याज संदेय नहीं होगा। अर्धवेतन छुट्टी के मामले में अभिदाय अनुपाततः वसूल किया जाएगा और तदनुसार राज्य सरकार भी समरूप अभिदाय संदत्त करेगी। जब कोई व्यक्ति (बिना वेतन के) आसाधारण छुट्टी (ई0 ओ0 एल0) पर जाता है तो सरकारी कर्मचारी के साथ-साथ सरकार द्वारा भी कोई अभिदाय संदेय नहीं होगा।

(22) महालेखाकार द्वारा समरूप अभिदाय को कर्मचारी अभिदाय के सामान (बराबर) सरकारी अभिदाय को अवधारित करने के पश्चात् बही समायोजन द्वारा (बुक एडजैस्टमेंट) समायोजित किया जाएगा। स्कीम के लिए सरकारी अभिदाय को निम्नलिखित शीर्ष लेखा में विकलित (डिबिट) किया जाएगा:—

- 2071 - पेंशन तथा सेवानिवृत्त लाभ
- 01 - सिविल
- 101 - अधिवर्षिता और सेवानिवृत्ति भत्ते
- 04 - पेंशन स्कीम का अंशदान

महालेखाकार, कर्मचारियों द्वारा अभिदाय की गई राशि को सत्यापित करने के पश्चात् उसे बही समायोजन द्वारा समायोजित करेंगे और यह प्रारम्भ में "8342-00-117-02" लोक लेखा में जमा किया जाएगा।

(23) कर्मचारी अभिदाय और सरकार का अभिदाय प्रारम्भ में लोक लेखा में क्रमशः "8342-00-117-01 और 02" में जमा किए जाएंगे और जब भी पेंशन विनियमक निधि और विकास प्राधिकरण (पी0 एफ0 आर0 डी0 ए0) या विधि के अधीन गठित अन्य अभिहित प्राधिकरण द्वारा इस प्रयोजन के लिए निधि का गठन किया जाता है तो इसे पेंशन निधि को अंतरित किया जाएगा।

(24) आहरण और संवितरण अधिकारी यह सत्यापित करने के लिए कि क्या व्यक्ति (व्यक्ति) का अभिदान खजाना अधिकारी द्वारा सही प्रकार से लेखों में ले लिया है और लेखा अधिकारी को प्रेषित हो गया है, प्रतिमास खजाना अधिकारी के साथ लेखों का समाधान (मिलान) करेगा। आहरण और संवितरण अधिकारियों के साथ समाधान (मिलान) पूर्ण होने के पश्चात् खजाना अधिकारी लेखा अधिकारी के साथ समाधान (मिलान) के लिए आहरण और संवितरण अधिकारी बार (डी0डी0ओ0वाईज) पूर्ण विवरण सहित अपने कार्यालय से एक प्रतिनिधि प्रतिनियुक्त करेगा।

(25) भविष्य में जब भी नए कर्मचारी पद ग्रहण करेंगे तो उन्हें विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष द्वारा, नए कर्मचारी के पदग्रहण करने की तारीख से एक मास के

भीतर, तत्परता से सूचकांक के आबंटन हेतु महालेखाकार को आवेदन करते हुए, इस स्कीम में सम्मिलित किया जाएगा।

महालेखाकार, सूचकांक आबंटित करने के लिए यथा संभव शीघ्र विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष से सूचकांक हेतु आवेदन की प्राप्ति के एक मास के भीतर कदम उठाएगा अभिदाय हेतु वसूलियाँ सरकारी कर्मचारी द्वारा सेवा में पदग्रहण करने के मास से आगामी मास के वेतन से प्रारम्भ होंगी।

(26) कर्मचारी जो 15-05-2003 को या इसके पश्चात् नियुक्त हुए हैं और जो पहले से ही सामान्य भविष्य निधि हेतु अभिदाय कर रहे हैं, अंशदायी पेंशन स्कीम की अधिसूचना की तारीख से सामान्य भविष्य निधि हेतु अभिदाय नहीं करेंगे। उनके सामान्य भविष्य निधि लेखे में जमा की गई राशि ब्याज सहित उनके अपने-अपने अंशदायी पेंशन निधि लेखे में अंतरित की जाएगी। उसी प्रकार, अंशदायी पेंशन निधि में अंतरित राशि के बराबर का समरूप सरकारी अभिदाय महालेखाकार द्वारा वही समायोजन द्वारा समायोजित किया जाएगा। यदि सामान्य भविष्य निधि खाते में ब्याज सहित अतिशेष कर्मचारी अभिदाय के बकाया हेतु समायोजित करने के लिए अपेक्षित राशि से अधिक उसका प्रतिदाय पाया जाता है तो वह व्यक्ति (व्यष्टि) को वापिस किया जाएगा तथा यदि सामान्य भविष्य निधि लेखे में अतिशेष विहित सीमा से कम रहता है तो इसे उनके वेतनों से इसकी पूर्ण वसूली तक अतिरिक्त किश्त के रूप में वसूल किया जाएगा (अर्थात् एक अभिदान चालू मास के लिए और एक अतिरिक्त अभिदान बकाया के लिए) जब तक कि इसे पूर्णतया वसूल नहीं कर लिया जाता है।

(27) उन कर्मचारियों के मामले में जिन्हें अभी तक महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश द्वारा सामान्य भविष्य निधि संख्या आबंटित नहीं की गई है और जो सामान्य भविष्य निधि हेतु अभिदाय नहीं कर रहे हैं, ऐसे मामलों में, चालू मास के अभिदान सहित, 15-5-2003 से अंशदायी पेंशन स्कीम के लिए अभिदान का बकाया सम्बन्धित कर्मचारियों से, जिन्होंने 15-05-2003 को या इसके पश्चात् हिमाचल प्रदेश सरकार के अधीन (नियोजन) रोजगार में पद ग्रहण किए हैं, काटा जाएगा (अर्थात् एक अभिदान चालू मास के लिए और एक अतिरिक्त अभिदान बकाया के लिए)।

(28) जब भी भारत सरकार द्वारा पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पी0 एफ0 आर0 डी0 ए0) का गठन कर लिया जाता है तो राज्य सरकार आदेशों को उपांतरित कर सकेगी और इस स्कीम के अन्तर्गत आए राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए अंशदायी पेंशन स्कीम हेतु नए निदेश और विनियम जारी कर सकेगी ताकि लोक लेखा शीर्ष "8342. अन्य जमा" में विद्यमान निक्षेप पेंशन निधि विनियामक विकास प्राधिकरण या अन्य सक्षम अधिकारी द्वारा अभिहित लेखा/संगठन/स्कीम/पेंशन निधि में अंतरित किए जा सकें।

(29) जब कभी कोई सरकारी कर्मचारी स्थानांतरित होता है, तो आहरण और संवितरण अधिकारी व्यक्ति (व्यष्टि) के अंतिम वेतन प्रमाण-पत्र में अन्नय (यूनीक)

लेखा संख्या, मास, जब तक पेंशन निधि में सरकारी कर्मचारी के अभिदाय अंतरित किए गए हैं, स्पष्टतः उपदर्शित करेगा ।

(30) अंशदायी पेंशन निधि से किसी भी राशि का कोई आहरण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। कर्मचारी की असामायिक मृत्यु की दशा में या उसके सरकारी सेवा के छोड़ने की दशा में, सेवांत संदायों (टर्मिनल पेमेन्ट्स) के बारे में उपबंध सम्यक् अनुक्रम में अधिसूचित किए जाएंगे।

(31) प्रत्येक द्वितीय वर्ष के अन्त में, महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश प्रारंभिक अतिशेष, मासिक कटौती और सरकार के समरूप अभिदायों का विवरण अर्जित ब्याज, यदि कोई है, तथा अंत अतिशेष दर्शाते हुए प्रत्येक कर्मचारी के लिए वार्षिक लेखा विवरण तैयार करेगा तथा उसे आगामी पारिषण हेतु आहरण और संवितरण अधिकारी द्वारा सम्बन्धित व्यक्ति को भेजेगा ।

(32) क्योंकि यह एक अंशदायी पेंशन स्कीम है, इस स्कीम में प्रत्यागम (रिटर्न) परिभाषित नहीं की जाएगी परन्तु पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण/संबन्धित पेंशन निधि प्रबंधक द्वारा समय-समय पर यथा घोषित प्रत्यागम (रिटर्न) लाभ/लाभ पर निर्भर करेगी ।

(33) ब्याज उस तारीख से संदेय होगा जब से अंशदायी पेंशन स्कीम राज्य में प्रवर्तन में आएगी अर्थात् उस तारीख से जब से अंशदायी पेंशन स्कीम के नियम अधिसूचित किए जाते हैं और ब्याज की दर साधारण भविष्य निधि के सम-मूल्य पर होगी । अंशदायी पेंशन स्कीम के अधीन वर्तमान में संदेय ब्याज की दर तब तक केवल तदर्थ दर होगी जब तक पेंशन निधियों का विनियामक और विकास प्राधिकरण या भारत सरकार द्वारा गठित अन्य सक्षम प्राधिकारी (प्राधिकरण) के निदेश के अधीन इन निधियों का पेंशन निधि/अन्य विनिधान में यथोचित रूप से विनिधान नहीं कर दिया जाता ।

5. निर्वाचन.—इस स्कीम के किसी उपबंध के निर्वाचन के संबंध में यदि कोई प्रश्न उत्पन्न होता है तो उसका विनिश्चय राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा और इस प्रकार किया गया विनिश्चय अंतिम होगा ।

आदेश द्वारा,
हस्ता/-
प्रधान सचिव (वित्त)।

हिमाचल प्रदेश अंशदायी पेंशन स्कीम में प्रवेश के लिए आवेदन (द्विप्रतिक में दिया जाना है)

सी0पी0एस0 सूचकांक	
----------------------	--

(महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश
द्वारा आबंटित किया जाना है)

- | | | | |
|---|---|---------|----------|
| 1. आवेदक का नाम | : | | |
| 2. लिंग | : | पुरुष | स्त्री |
| 3. वैवाहिक प्रास्थिति | : | विवाहित | अविवाहित |
| 4. शासकीय पदनाम | : | | |
| 5. कार्यालय जिससे संलग्न (सम्बद्ध) है | : | | |
| 6. सेवा में प्रथम प्रवेश (प्रविष्टि) की तारीख | : | | |
| 7. वेतनमान | : | | |
| 8. मूल वेतन | : | | |
| 9. जन्म की तारीख | : | | |
| 10. अधिवर्षिता की तारीख | : | | |
| 11. नाम निर्देशन | : | | |

क्रम संख्या	नाम निर्देशिनी का नाम	आयु/ जन्म की तारीख	संदेयअंश शेयर) की प्रतिशतता	सरकारी कर्मचारी के साथ सम्बन्ध
1				
2				
3				

स्थान:

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख:

कार्यालयाध्यक्ष (हैड आफ ऑफिस) द्वारा दिया जाने वाला प्रमाण-पत्र ।

कार्यालयाध्यक्ष,
(हैड आफ आफिस)
पूर्ण पते और कार्यालय
मुद्रा सहित हस्ताक्षर।

सूचकांक रजिस्टर

उपाबंध-II

एकमात्र (यूनीक) पेंशन लेखा संख्या	सरकारी कर्मचारी का नाम	पदनाम	उस कार्यालय का नाम जिसमें पदग्रहण किया है	जन्म की तारीख	सरकारी सेवा में पदग्रहण की तारीख	सहायक लेखा अधिकारी/लेखा अधिकारी के हस्ताक्षर

अंशदायी पेंशन स्कीम (सरकारी सेवा) मास _____, 2006 के लिए वसूली की वेतन बिल अनुसूची।

जिला खजाना/ उप-खजाना
खजाना/उप-खजाना कोड

डी.डी.ओ.
डी.डी.ओ. कोड

लेखा-शीर्ष

8342 -	अन्य जमा
00 -	-
117 -	सरकारी कर्मचारियों के लिए निर्धारित अंशदायी पेंशन स्कीम
01 -	कर्मचारी अभिदाय (टीयर-1 के अधीन)

क्र० सं०	सी.पी.एस सूचकांक	नाम	मूल वेतन रुपये	मंहगाई वेतन रुपये	मंहगाई भत्ता	एन.पी.ए. (प्रविष्टि-बन्दी भत्ता)	कुल 10% की दर से कर्मचारी अभिदाय			
							राशि	चालू मास की राशि	बकाया	
									किश्त संख्या	राशि
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

विवरण के स्तंभ में प्रविष्टि मूल वेतन, मंहगाई वेतन, मंहगाई भत्ता और एन०पी०ए० सेवा पुस्तिका और वेतन बिल में प्रविष्टियों के साथ सत्यापित किए गए हैं।

आहरण एवं संवितरण अधिकारी,
पदनाम सहित डी.डी.ओ. के हस्ताक्षर।

अनुदेश:-

- (1) किसी व्यक्ति (व्यष्टि) के लिए वेतन और भत्तों का आहरण न किए जाने के दौरान, स्तंभ 4 से स्तंभ 11 तक "शून्य" विशिष्टियाँ दर्शायी जानी चाहिए परन्तु स्तंभ 1 से स्तंभ 3 अवश्य भरे जाने चाहिए।

अन्य कार्यालय "से स्थानांतरण" या "को स्थानांतरण" की दशा में कर्मचारी के नाम के सामने दो कमवार मास (महीनों) के लिए तथ्य वर्णित किए जाने चाहिए ।

सी०पी०एस० सूचकांक और नाम ब्यौरे, आवश्यक अनुप्रमाणन सहित, सेवा पुस्तिका में प्रथम पृष्ठ पर प्रविष्ट किए जाने चाहिए ।

सी०पी०एस० अनुसूची कैसे भरें :

स्तंभ (2).—सी०पी०एस० सूचकांक सही प्रकार से दिए जाने चाहिए ।

स्तंभ (3).—आद्यक्षर और नाम उसी प्रकार से दिए जाने चाहिये जैसे कि सेवा पुस्तिका में है ।

स्तंभ (4) से (8).—मूलवेतन, मंहगाई वेतन, डी.ए. और एन.पी.ए. विशिष्ट मास में आहरित मूल वेतन, मंहगाई वेतन, डी.ए. और एन.पी.ए. के अनुसार दिए जाने चाहिए ।

स्तंभ (9) से (11).—(i) कर्मचारी के अभिदाय की अनुपूरक बिल से भी कटौती की जानी है (उदाहरणार्थ) वेतन के बकाया, वेतन वृद्धि बकाया और मंहगाई भत्ते के पुनरीक्षण के परिणामस्वरूप बकाया ।

(ii) अभिदान के बकाया जब किश्तों में वसूल किए जाते हैं, तो किश्तों की या नोट की जानी चाहिए ।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. Fin (Pen) A (3)-1/96, dated 17-8-2006 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

FINANCE (PENSION) DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 17th August, 2006

No.Fin(Pen)A(3)-1/96.—Whereas, the Government of Himachal Pradesh *vide* notification No. Fin(Pen)A(3)-1/96, dated 15-5-2003 modified the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 in its application to the State of Himachal Pradesh and the said rules were made inapplicable to all appointments made in the State of Himachal Pradesh on or after 15-5-2003, the date on which the notification was published in the Rajpatra, Himachal Pradesh;

And whereas, while making the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 inapplicable to the appointments made on or after 15-5-2003 the intention of the Government was to notify the Contributory Pension Scheme for such Government servants;

And whereas, the State Government has now decided to introduce the Contributory Pension Scheme for the new appointees of the Himachal Pradesh Government appointed on or after 15-5-2003;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the Himachal Pradesh Civil Services Contributory Pension Rules, 2006 for the Government servants of Himachal Pradesh appointed on or after 15-5-2003, namely :—

1. Short title and Commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh Civil Services Contributory Pension Rules, 2006.

(2) These rules shall be deemed to have come into force from 15th day of May, 2003.

2. Applications.—These rules shall be applicable to all the Himachal Pradesh Government employees appointed on or after 15-5-2003.

3. Definitions.— (1) In these rules, unless the context otherwise requires:—

- (a) “Accounts Officer” means an officer, whatever his official designation, who maintains the accounts of the Department or Office of the Himachal Pradesh Government and includes an Accountant General of Himachal Pradesh, who is entrusted with the functions of maintaining the accounts or part of accounts of the State Government ;
- (b) “Drawing and Disbursing Officer ” means an officer declared as such by the competent authority;
- (c) “Dearness Allowance (D.A.)” means an allowance against price rise granted to the Government servants at such rates and subject to such conditions as the State Government may specify from time to time;

- (d) "Employee" means any person who is employed in the Himachal Pradesh Government on a regular basis and is covered by this Contributory Pension Scheme but shall not include persons employed on part time basis, daily waged basis, piece-meal rate basis, casual and contract basis;
- (e) "Fund" means the Contributory Pension Fund ;
- (f) "Form" means a Form appended to these rules ;
- (g) "Government" means the Government of Himachal Pradesh ;
- (h) "Head of Department" means an authority to whom the powers delegated as such or person whom the Governor of Himachal Pradesh may by order, specify a Head of Department ;
- (i) "Head of Office" means a Gazetted Officer declared as such or person whom the competent authority may by order specify as Head of Office ;
- (j) "Month" means a calendar month ;
- (k) "N.P.A" means Non-Practice Allowance payable to the Medical Officer ;
- (l) "Pay" means the amount drawn monthly by a Government servant as:—
 - (i) the pay, other than special pay or pay granted in view of his personal qualification, which has been sanctioned for a post held by him substantively or in an officiating capacity, or to which he is entitled by reason of his position in a cadre; and
 - (ii) any other emoluments which may be specially classed as pay by the Government ;
- (m) "PFRDA" means the Pension Fund Regulatory and Development Authority constituted under the Act of the Parliament ;
- (n) "Service Book" includes service roll, if any ;
- (o) "Treasury" includes a Sub-Treasury ;
- (p) "Year" means a financial year ;

(2) The Words and expression used herein and not defined here but defined in the Fundamental Rules, have the meaning respectively assigned to them, in those rules.

4. Terms & Conditions.—(1) It shall be mandatory for all the new employees, who are recruited on or after 15-5-2003 to become members of the Scheme under these rules. Each employee shall be required to pay a monthly contribution which would be 10% of the Basic Pay, DA & NPA before 1-4-2004 and Basic Pay, Dearness Pay, DA & NPA w.e.f. 1-4-2004 to the Contributory Pension Scheme under these rules.

(2) A matching contribution equal to employee contribution would be made by the State Government every month for each employee, who contributes to the Scheme.

(3) The contribution towards the Contributory Pension Scheme shall be recovered from the salary of the employees every month as is done for the General Provident Fund.

(4) No deduction would be made towards the General Provident Fund contribution from the Government servants covered by this scheme since the General Provident Fund rules will not be applicable to them. The General Provident Fund rules would be amended separately to exclude such employees from its purview.

(5) The Accountant General, Himachal Pradesh Shimla shall function as Central Record keeping Agency in respect of the Himachal Pradesh Government employees & shall maintain the accounts for the contributory pension scheme as is being done in the case of the General Provident Fund.

(6) The Index number to the employees, who join the Contributory Pension Scheme shall be allotted by the Accountant General Himachal Pradesh, Shimla on receipt of application from the Head of Departments/ Head of offices in the prescribed form annexed to this notification (Annexure-I).

(7) The Accountant General, Himachal Pradesh shall allot a unique 16 digit Permanent Pension Account Number (PPAN). The First four digits of this number will indicate the calendar year of joining Government Service, the next two digit indicates department, the next five digits would represent treasury code and the last five digits will be the running serial number of the individual Government Servant.

(8) The Accountant General, Himachal Pradesh shall maintain an index Register for the purpose of allotment of PPAN to new entrants to the Government Service. Format of the index register shall be as per Annexure-II.

(9) The Accountant General shall return to the DDO concerned, a copy of statement duly indicating therein the account number allotted to each individual and DDO in turn shall intimate the account number to the individual concerned & shall also note the same in the Pay Bill Register.

(10) The index number allotted by the Accountant General for joining the Contributory Pension Scheme would be entered in the first page of the Service Book with necessary attestation, by the Head of Office/Drawing & Disbursing Officer.

(11) The State Government shall defend the Accountant General in case he is made party to any law suit relating to maintenance of CPF accounts provided the law suit has not arisen due to fault of the Accountant General's office.

(12) Nomination is required to be filed at the time of admission by the employees and can be revised upon marriage of the subscriber and thereafter once in five years. Necessary entry to the effect of filing the nomination along with name of nominee(s) should be noted in the Service Book of the concerned employee.

(13) The DDO shall prepare separate Pay Bill Register in respect of the Government Servant joining Government Service on or after 15-5-2003 and shall send the same with schedules to the Treasury. The cheque drawing DDO's may also prepare separate pay bills in respect of the Government Servants joining service on or after 15-5-2003 and they will not make payment. Such bills will be sent by them to the Treasury Office for pre-check and payment.

(14) The recovery from pay Bills of the employees has to be made only after obtaining Index Number from the Accountant General for each of the employee.

(15) Schedule of recovery to be attached to the pay bill showing the Contribution to the Pension Scheme has been prescribed as in Annexure-III. Each Drawing and Disbursing Officer shall prepare the schedule and enclose the same alongwith the Pay Bill.

(16) The delay in transmission of deduction that occurs due to late submission of schedule to the Accountant General, wrong/illegible account number mentioned on schedule leading to unposted items and any item claimed as missing will be investigated as and when such discrepancy is intimated by the Accountant General to the quarter concerned. In case, the delay is found intentional on the part of any official/officer, the responsibility for delay & interest liability shall be fixed. However, if delay is not found intentional, the State Government shall bear the interest liability. Further, where there are delays due to unavoidable circumstances, the State Government shall bear the interest liability from the date of deduction till the amount is credited to the Pension Fund.

(17) The employee's contributions and Government contribution should be posted in different columns of the individual ledger account & broad sheet and tallied with account figure as is being done in the case of the General Provident Fund.

(18) The amount recovered from the Pay Bill shall be credited to the following new Deposit Head of Account in respect of the Government employees.

8342	-	Other Deposit
00	-	—
117	-	Defined Contribution Pension Scheme for Government Employees.
01	-	Employees Contribution (Under Tier-I)

(19) The Government Contribution equal to the employees contribution shall be credited to the following new Deposit Head of Account.

8342	-	Other Deposit
00	-	—
117	-	Defined Contribution Pension Scheme for Government employees.
02	-	Government Contribution (Under Tier-I)

(20) The interest on the employees' and the Government Contribution shall be credited to the following new Deposit Head of Account.

8342	-	Other Deposit
00	-	—
117	-	Defined Contribution Pension Scheme for Government employees.
03	-	Interest on Contribution (Under Tier-I).

(21) The reasons for non-recovery from a particular employee in any month shall be furnished by the Drawing and Disbursing officers concerned, in the recovery schedule, without fail. Whenever an individual is on long leave, the contribution of 10% of pay plus DP, DA & NPA shall be deducted from the salary bill on the basis of month wise salary after the leave is sanctioned. No interest shall be payable by an individual as well as the Government for the period for which the individual remained on long leave. In the case of half pay leave, the Contribution shall be recovered proportionately and the State Government shall also pay matching contribution accordingly. No contribution shall be payable by the Government servant as well as the Government when an individual is on E.O.L. (without pay).

(22) The matching contribution shall be adjusted by the Accountant General by book adjustment after determining the Government contribution equal to the employees contribution. The Government Contribution to the Scheme shall be debited to the following head of account :—

2071	-	Pension and the Other Retirement Benefits
01	-	Civil
101	-	Superannuation & Retirement Allowance
04	-	Contributory Pension Scheme

The same shall be done by book adjustment by the Accountant General after verifying the amount contributed by the employees and it would be initially credited to "8342-00-117-02" in the Public Account.

(23) The employees Contribution and the Government Contribution would be initially credited to "8342-00-117—01 and 02" respectively in the Public Account and it would be transferred to the Pension Fund as and when a fund for this purpose is constituted by the Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) or other designated authority Constituted under the Law.

(24) The Drawing and Disbursing Officer will reconcile the accounts monthly with the Treasury Officer to verify that the individual's subscription has correctly been taken into account by the Treasury Officer and passed on to the Accounts Officer. After completion of reconciliation with the DDO's the Treasury Officer will depute a representative from his office alongwith the DDO wise complete detail for reconciliation with the Accounts Officer.

(25) As and when the new employees join in future, they shall be admitted to this scheme by the Heads of Department/Heads of Offices by promptly applying for allotment of the Index number to the Accountant General within a month from the date of joining of the new employee. The Accountant General would take steps to allot the Index number at the earliest and as far as possible within a month of receipt of application for the Index number from the Head of Department / Head of Office. The recoveries towards the contribution shall start from the salary of the month following the month in which the Government servant has joined service.

(26) The employees appointed on or after 15-5-2003 and who are already contributing towards the General Provident Fund shall cease to continue to subscribe towards the General Provident Fund from the date of notification of the Contributory Pension Scheme. The amount deposited in their General Provident Fund Account shall be transferred to their respective Contributory Pension Fund Account alongwith interest. Similarly, the matching Government Contribution equal to the amount transferred to Contributory Pension Fund will be adjusted by the Accountant General by book adjustment. In case, the

balance in GPF Account alongwith interest found excess to the amount required to be adjusted towards arrears of the employees contribution, the same shall be refunded to the individual and in case the balance in GPF account falls short of the prescribed limit the same shall be recovered from their salaries as an additional instalment (i.e. one subscription for current month and one additional subscription for arrears) till it is fully recovered.

(27) In case of employees to whom the General Provident Fund numbers have not yet been allotted by the Accountant General Himachal Pradesh and who are not contributing towards the General Provident Fund, arrears of subscription in such cases to the Contributory Pension Scheme from 15-5-2003 shall be deducted from the concerned employees who have joined employment under the Govt. of Himachal Pradesh on or after 15-5-2003, alongwith current month subscription (i.e. one subscription for current month and one additional for subscription arrears).

(28) As and when the Pension Fund Regulatory & Development Authority (PFRDA) is constituted by the Government of India, the State Government may modify the orders and issue new directions and regulations for the Contributory Pension Scheme for the State Government employees covered under this scheme so that the deposits lying in the Public Account head 8342-Other Deposit are transferred to the Account/ Organizations / Scheme/ Pension Fund, designated by the Pension Fund Regulatory and Development Authority or other competent authority.

(29) Whenever any Government Servant is transferred, the Drawing and Disbursing Officer shall clearly indicate in the LPC of the individual the unique account number, the month upto which the Government Servant contributions have been transferred to the Pension Fund.

(30) No withdrawal of any amount will be allowed from the Contributory Pension Fund. The provisions regarding terminal payments in the event of untimely death of an employee or in the event of his leaving the Government Service shall be notified in due course.

(31) At the end of each financial year, the Accountant General, Himachal Pradesh will prepare the annual accounts statements for each employee showing the opening balance, details of monthly deduction and the Government's matching contributions, interest earned, if any, and the closing balance and will send the same for onward transmission to the individual concerned by the Drawing and Disbursing Officer.

(32) Since this is a Contributory Pension Scheme, the return on this scheme would not be defined but would depend upon the returns/ dividends/ profits as announced by the Pension Fund Regulatory and Development Authority/ concerned Pension Fund Manager from time to time.

(33) The interest shall be payable from the date the Contributory Pension Scheme becomes operational in the State i.e. from the date, the Rules of Contributory Pension Scheme are notified and the rate of interest will be at par with the General Provident Fund. The rate of interest presently payable under the Contributory Pension Scheme will only be an adhoc rate until these funds are invested suitably in a Pension Fund/ other investment under the direction of the Pension Fund Regulatory and Development Authority or other competent authority, constituted by Government of India.

5. Interpretation.—If any question arises as to the interpretation of any provision of this scheme, the same shall be decided by the State Government and the decision so arrived at, shall be final.

By order,
Sd/-

Principal Secretary (Finance).

**APPLICATION FOR ADMISSION TO
THE HIMACHAL PRADESH CONTRIBUTORY PENSION SCHEME**

(To be furnished in duplicate)

CPS Index Number	
-----------------------------	--

(To be allotted by AG, H.P.)

1. Name of the Applicant :
2. Sex* : Male Female
3. Marital Status* : Married Unmarried
4. Official Designation :
5. Office to which attached :
6. Date of first entry into service :
7. Scale of Pay :
8. Basic Pay :
9. Date of Birth :
10. Date of Superannuation :
11. Nomination :

Sl. No.	Name of nominee (s)	Age/ Date of Birth	Percentage of share payable	Relationship with the Government servant
1.				
2.				
3				

Station :

Date :

Signature of the Applicant

CERTIFICATE TO BE FURNISHED BY THE HEAD OF THE OFFICE

Certified that Shri /Smt./ Kum. _____ is a regular employee and is eligible to join the Himachal Pradesh Civil Services Contributory Pension Scheme.

*Signature of the Head of the office
With full address/ Office seal.*

Station:

Date:

INDEX REGISTER

Unique pension Account No.	Name of Government servant	Designation	Name of office in which joined service	Date of birth	Date of joining Government service	Signature of AAO/AO

D.D.O.
D.D.O. Code

8342	-	Other Deposit
00	-	—
117	-	Defined Contribution Pension Scheme for Government employees
01	-	Employees Contribution (under tier-I)

[illegible]

The Basic Pay, Dearness Pay, Dearness Allowance & NPA entered in the column of the Statement has been verified with entries in the Service Book and Pay Bill.

*Signature of the D.D.O.
With Designation*

INSTRUCTIONS:

- (1) During Non-drawl of Pay and Allowance for any individual "NIL" particulars should be shown in Col.4 to Col. 11 but, Col. 1 to Col 3 should be filled up without fail.
- (2) In case of 'Transfer to' or 'Transfer from' other office, the facts may be mentioned for two consecutive months against the employees' name.
- (3) C.P.S. Index Number and Name details should be entered in the first page of the Service Book with necessary attestation.

HOW TO FILL UP C.P.S. SCHEDULE:

- (1) Column (2) : CPS Index Numbers should be given correctly.
- (2) Column (3) : Initial and Name should be furnished as in the Service Book.
- (3) Column (4) to (8) : Basic Pay, Dearness Pay, D.A. & N.P.A. should be furnished as per the Basic Pay, Dearness Pay, D.A. & N.P.A drawn in the particular month.
- (4) Column (9) to (11) : (i) Employees' Contribution has to be deducted from the Supplementary Bill also (e.g.) arrears of Pay, incremental Arrears and D.A., Arrears consequent on D.A., revision.
(ii) Arrears of subscription when recovered in instalments, the instalments number should be noted.

